Distribution of 500-liter water tanks in three villages of Ambegaon Taluka under Tribal Sub Plan (TSP) of ICAR - National Research Centre for Grapes, Pune

ICAR-National Research Centre for Grapes Pune in coordination with Krishi Vidyan Kendra, Narayangaon has organized the agri-input distribution and awareness programme under Tribal Sub Plan (TSP) on 06.04.2023. During this programme ICAR-NRCG, Pune has distributed 30 water tanks of 500 liter capacity to 30 farmers belonging to ST category of Rajpur, Mafola and Pangri villages of Ambegaon taluka, district Pune. In the distribution programme Dr. N. A. Deshmukh Senior Scientist (Fruit Science) guided the farmers recent technological interventions on quality production of strawberry, mango, *Jamun* and other fruit crops. Dr. S. K. Holkar Senior Scientist (Plant Pathology) guided the farmers on the benefits of biocontrol agents for disease management of different fruit crops. Dr. Dattatryay Gawde, Scientist (KVK, Narayangaon) guided the farmers regarding the technology and importance of honey bee keeping and mushroom cultivation. Mr. Balu Wadekar, a progressive farmer of Pangri, expressed the opinion that these projects implemented for our tribal farmers will be very much helpful for empowering their livelihood in these rural areas and increase their farm income. More than 30 tribal farmers were present in this program. Dr. Kaushik Banerji, Director, ICAR-NRCG, Pune supported to make this programme a success.

स्थल: राजपुर

स्थल: मफ़ोला

भाकृअनुप-राष्ट्रीय अंगूर अनुसंधान केंद्र, पुणे की जनजातीय उप योजना (टीएसपी) के तहत अंबेगांव तालुका के तीन गांवों में 500 लीटर पानी की टंकियों का वितरण

भाकृअनुप-राष्ट्रीय अंगूर अनुसंधान केंद्र, पुणे ने कृषि विद्यान केंद्र, नारायणगांव के समन्वय से 06.04.2023 को जनजातीय उप योजना (टीएसपी) के तहत कृषि-इनपुट वितरण और जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम के दौरान आईसीएआर-एनआरसीजी, पुणे ने पुणे जिले के अंबेगांव तालुका के राजपुर, मफोला और पांगरी गांवों के एसटी वर्ग के 30 किसानों को 500 लीटर क्षमता की 30 पानी की टंकियां वितरित की हैं। वितरण कार्यक्रम में डॉ. एन. ए. देशमुख, वरिष्ठ वैज्ञानिक (फल विज्ञान) ने किसानों को स्ट्रॉबेरी, आम, जामुन और अन्य फलों की फसलों के गुणवत्तापूर्ण उत्पादन पर हाल के तकनीकी हस्तक्षेपों पर मार्गदर्शन किया। डॉ. एस. के. होल्कर, वरिष्ठ वैज्ञानिक (पादप रोग विज्ञान) ने विभिन्न फलों की फसलों के रोग प्रबंधन के लिए जैव नियंत्रण एजेंटों के लाभों पर किसानों को मार्गदर्शन किया। डॉ. दत्तात्रय गावड़े, वैज्ञानिक (केवीके, नारायणगांव) ने मधुमक्खी पालन और मशरूम की खेती की तकनीक और महत्व के बारे में किसानों का मार्गदर्शन किया। पांगरी के प्रगतिशील किसान श्री बालू वाडेकर ने राय व्यक्त की कि हमारे आदिवासी किसानों के लिए लागू की गई ये परियोजनाएँ इन ग्रामीण क्षेत्रों में उनकी आजीविका को सशक्त बनाने और उनकी कृषि आय बढ़ाने में बहुत मददगार होंगी। इस कार्यक्रम में 30 से अधिक आदिवासी किसान मौजूद रहे. डॉ. कौशिक बनर्जी, निदेशक, आईसीएआर-एनआरसीजी, पुणे ने इस कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग दिया।

कार्यक्रम समन्वयक

(डॉ. एन. ए देशमुख और डॉ. एस के होल्कर)